राज्य मानचित्र

त्रिपुरा
TRIPURA
Scale 1 : 500,000

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

प्रथम संस्करण 2025.

मूल्य : ₹ 135 /-

निर्देश

राज्य की राजधानी	अगरतला
जिला मुख्यालय	आमबासा
जिले का नाम	ध ला ई
उप-जिला मुख्यालय का नाम	तेलिआमुरा
मुख्य कस्बे या स्थल का नाम	मातारबाड़ी
जनजाति का नाम	रियंग जनजाति
शिखर का नाम	महादेब टीला
मुख्यालय : राज्य; जिला; उप-जिला (तहसील); अन्य नगर	◎ ⊙ ○ ○
उचाँई, त्रिकोणमितिय स्टेशन उचाँई सहित	·67 △ 74
विश्राम गृह, डाक घर	
हवाई अड्डा	
रेलमार्ग एकहरी बडी लाइन रेलवे स्टेशन सहित	
मार्ग: राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्यकीय राजमार्ग	8
मार्ग: अन्य मार्ग, सड़क, पैदल मार्ग	
पुलिस स्टेशन, अस्पताल	
मंदिर, गुफा	
नाले: जलधारा सहित, सुखा	
नहर, झरना	
जलाशय: ताजा पानी, नमकीन पानी, सुखा	
सीमांए: अंर्तराष्ट्रीय, राज्य, जिला	
सीमांए: उप-जिला (तहसील)	

• राज्य और जिलों के मुख्यालय, मानचित्र के मुख्य भाग में बॉक्सों में दर्शाया गया है ।

कृपया इस मानचित्र के बारे में अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

विंग प्रभारी

असम और नागालैण्ड एवं त्रिपुरा, मणिपुर, मिज़ोरम भु-स्थानिक निदेशालय,

(त्रिपुरा, मणिपुर एवं मिज़ोरम विंग), भारतीय सर्वेक्षण विभाग,

5 वीं माला, केन्द्रीय सदन, चिरुकांडी रोड,

तारापुर, सिलचर - 788003, असम ।

दूरभाष : 03842-268555

ई-मेल : tmmz.gdc.soi@gov.in

वेबसाइट - www.surveyofindia.gov.in

त्रिपुरा - एक परिचय

त्रिपुरा एक आकर्षक पर्यटन स्थल है, जहाँ समृद्ध वनस्पतियाँ, जीव-जंतु और मनोरम दृश्य हैं, जो अत्यधिक आनंद प्रदान करते हैं। सांस्कृतिक रूप से राज्य अत्यंत समृद्ध है। सभी पूर्वोत्तर राज्यों और बांग्लादेश को शामिल करते हुए पर्यटन सर्किट के विकास की अपार संभावनाएं है। ये सभी स्थान आतिथ्य उद्योग के विकास और वृद्धि के लिए आकर्षक अवसर प्रदान करते हैं।

पर्यटक आकर्षणों की समृद्ध विविधता से संपन्न त्रिपुरा में इस क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। 10491.69 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल के साथ त्रिपुरा देश के सबसे छोटे राज्यों में से एक है। हरी-भरी घाटियों, विविध वनस्पतियों और जीवों से आच्छादित पर्वत श्रृंखलाओं के प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति, गौरवशाली इतिहास, पारंपरिक कला और शिल्प के आकर्षक मिश्रण वाला यह प्राचीन राज्य पर्यटन के विकास के लिए अत्यधिक लाभप्रद स्थिति में है। पर्यटकों की सुविधा के लिए राज्य को दो पर्यटन सर्किटों में विभाजित किया गया है। एक दक्षिण-पश्चिम त्रिपुरा सर्किट है जो पश्चिम और दक्षिण त्रिपुरा जिलों के पर्यटन स्थलों को रेखांकित करता है और दूसरा पश्चिम-उत्तर त्रिपुरा सर्किट है जो उत्तर त्रिपुरा और धलाई जिले के पर्यटक स्थलों को रेखांकित करता है। राज्य में पर्यटन, विशेषकर ईको-पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, विरासत पर्यटन, पहाड़ी पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन आदि की अपार संभावनाएं हैं।

त्रिपुरा पहले से ही एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभरा है। जिसका राज्य की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, राज्य में आने वाले घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। भले ही त्रिपुरा में पर्यटन क्षेत्र से राजस्व की प्राप्ति अभी उतनी अधिक नहीं है जितनी कि गोवा और हिमाचल प्रदेश जैसे पर्यटन-केंद्रित राज्यों में है, लेकिन पिछले दशक में इस क्षेत्र की समग्र वृद्धि प्रभावशाली रही है और आने वाले वर्षो में और अधिक होने की संभावना है। भारत सरकार की नीतियों के अनुरूप पर्यटन क्षेत्र को राज्य सरकार द्वारा एक स्वतंत्र उद्योग के रूप में बहुत महत्त्व दिया गया है। वर्ष 2009 में राज्य सरकार ने इस महत्त्वपूर्ण क्षेत्र को नौकरशाही के बंधनों से मुक्त करने के साथ-साथ विकास को और बढ़ावा देने के लिए त्रिपुरा पर्यटन विकास निगम (टीटीडीसी) की स्थापना की है।

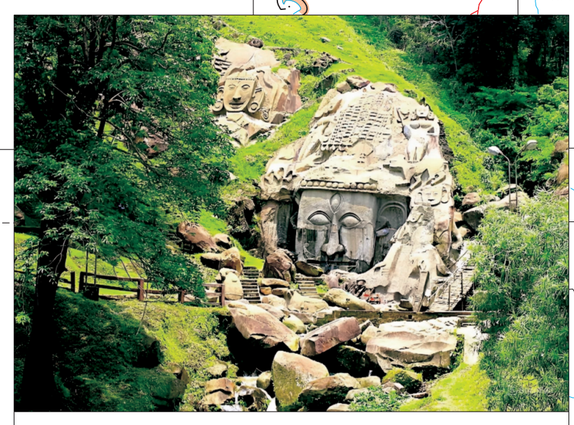

उनाकोटि

उनाकोटि एक 'शैव' तीर्थस्थल है जो 7वीं-9वीं सदी का है। इसमें उल्लेखनीय शिल्पकारी, भित्तिचित्र की प्राचीन सुंदरता और झरने हैं। उनाकोटि का अर्थ एक करोड़ में एक कम है, ऐसी मान्यता है कि यहां उतनी संख्या में शिलाखंड पर उत्कीर्ण मूर्तियां उपलब्ध है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव ने काशी यात्रा के दौरान देवी-देवताओं को सूर्योदय से पहले नहीं उठने पर पत्थर की मूर्ति में बदलने का श्राप दिया फलतः उनाकोटि में "एक करोड़ में एक कम" पत्थर की मूर्तियां और उत्कीर्णन है ऐसा माना जाता है। जिनमें से केन्द्रीय शिव की आकृति (उनाकोटीश्वर काल भैरव), विशाल गणेश की आकृतियां और नंदी की मूर्तियां उल्लेखनीय है। अप्रैल महीने में "अशोकाष्टमी मेला" नामक एक वार्षिक मेले का आयोजन होता है, जिसमें हजारों तीर्थयात्रियों का आगमन होता हैं।

राज्यों का सूचक

1. मेघालय

मानचित्रों का सूचक

पैमाना 1 : 500,000

1 सेंटीमीटर = 5 किलोमीटर

किलोमीटर 10 5 0 10 20 30 40 50 किलोमीटर

प्रक्षेप: लैम्बर्ट कन्फर्मल कोनिक
आधार : डब्लूजीएस 84.

रजि. सं. 268 भा. स. वि. सु. डी'25 (त्रि. म. भि. विंग - 1:500000) - 30.
प्रथम संस्करण 2025 (अद्यतन).

भारत के महासर्वेक्षक हितेश कुमार एस. मकवाणा, भा.प्र.से., *के निदेशन में प्रकाशित,*
भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हाथीबड़कला एस्टेट, पोस्ट बॉक्स सं. 37, देहरादून - 248001 (उत्तराखण्ड),
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ।
2025.

भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मुद्रणालय द्वारा मुद्रित ।

© भारत सरकार प्रतिलिप्याधिकार, 2025.

भारतीय सर्वेक्षण विभाग, राष्ट्रीय मानचित्रण संस्थान की लिखित अनुमति के बिना किसी भी माध्यम से पूरे मानचित्र या किसी भाग का पुनरुत्पादन वर्जित है ।